RNTU TIMES

Rank Band 151-200 in University Category in nirf 2025

VOLUME: 9 | www.rntu.ac.in | September-October, 2025

विश्व रंग फाउंडेशन भारत
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

विश्व रंग श्रीलंका 2025 : भाषा, संस्कृति और एकता का भव्य उत्सव

दक्षिण एशियाई देशों में हिंदी और भारतीय भाषाओं के साहित्यिक आदान-प्रदान, शोध व रोजगार संभावनाओं पर हुआ सार्थक विमर्श

29th Sep.: विश्व रंग श्रीलंका–2025 का भव्य शुभारंभ विश्व रंग फाउंडेशन (भारत), रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (भारत), स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो, श्रीलंका के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो (श्रीलंका) में समारोह पूर्वक किया गया। उद्घाटन अवसर पर भारतीय और श्रीलंकाई साझा संस्कृति के विविध रंगों को समेटे रंगारंग शोभायात्रा का आयोजन किया गया। विश्व रंग आया है रंग हजारों लाया है, विश्व रंग जिन्दाबाद के गगनभेदी नारों ने सभी को रोमांचित कर दिया। विश्व रंग की रंगारंग शोभा यात्रा ने विश्व एकता, सद्भावना और मानवता का पैगाम पूरे विश्व को दिया।

श्रीलंका में विश्व रंग ने रचा सांस्कृतिक एकता का नया आया

शोभा यात्रा के पश्चात अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर विधिवत रूप से विश्व रंग श्रीलंका के संस्करण का भव्य शुभारंभ किया गया। विश्व रंग के स्वप्न दृष्टा श्री संतोष चौबे, निदेशक, विश्व रंग एवं कुलाधिपति, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने सर्वप्रथम विश्व रंग की दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुझे यह कहते हुए बड़ा गर्व है, कि हिंदी विश्व की तीसरी भाषा के रूप में जानी जाती है। हम पिछले 40 वर्षों से हिंदी के संरक्षण, संवर्धन, और प्रचार प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। हमारा मानना है कि मनुष्य और समाज को रचनात्मक रूप से बदलने की ताकत कला, संस्कृति, साहित्य और भाषा में होती है। विश्व रंग की अवधारणा को रखते हुए कहा कि हिंदी के सामने विकास की असीम संभावनाएँ हैं। हम सभी को इस दिशा में संकल्पित होकर काम करना चाहिए। साथ ही साथ तकनीकी का उपयोग हिंदी के विकास की दिशा में करने की जरूरत है। बोलियों और भाषाओं में जीवन का रस है, इसलिए हमें बोलियों और भाषाओं को भी नहीं भूलना है। भारत की भाषा, संस्कृति, कला और साहित्यिक समृद्धि को लेकर विश्व रंग आप सबके सामने हैं।

विशिष्ट अतिथि श्री पवन वर्मा, सुप्रसिद्ध लेखक, राजनयिक एवं पूर्व राज्य सभा सांसद ने दक्षिण एशियाई एवं दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों की सांस्कृतिक एकता के आधार पर उद्घाटन वक्तव्य रखते हुए कहा कि इन सभी देशों की एतिहासिक पृष्ठभूमि में सांस्कृतिक एकता के मजबूत आधार मौजूद हैं। भाषाई समन्वय भी बड़ा आधार है। हमें इन्हें फिर से एक सूत्र में पिरोने की जरूरत है। यह समय हमारी मातृभाषाओं, बोलियों और क्षेत्रीय भाषाओं को बचाने का समय है। एक भाषा का लुप्त होना पूरी संस्कृति का लुप्त हो जाना होता है। भाषा के साथ ही हमारी लोरियां, गीत, मुहावरे, कहावतें भी लुप्त हो जाती है।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महामहिम श्री संतोष झा, भारत के उच्चायुक्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व रंग श्रीलंका –2025 का आयोजन विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो में होना भारत और श्रीलंका की साझा सांस्कृतिक विरासत को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि माननीय श्री हिनिदुमा सुनील सेनावी, मंत्री–बुद्धशासन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्य, श्रीलंका ने कहा कि हिंदी भाषा और संस्कृति को केंद्र में रखकर कोलंबो में विश्व रंग श्रीलंका–2025 का आयोजन होना हमारे लिये गौरव का विषय है। श्रीलंका सरकार भी हिंदी के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को सहयोग प्रदान करती है।

स्वागत उद्बोधन श्री अंकुरण दत्ता, निदेशक, विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, श्रीलंका एवं डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, निदेशक, विश्व रंग फाउंडेशन (भारत) द्वारा दिया गया। इस अवसर पर विश्व रंग की अब तक की यात्रा पर केंद्रित वीडियो फिल्म की प्रस्तुति की गई।

श्री पवन वर्मा, सुप्रसिद्ध लेखक, राजनयिक एवं पूर्व राज्य सभा सांसद (भारत) द्वारा 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की सांस्कृतिक एकता के आधार' के आधार पर उद्घाटन व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान के पश्चात श्री संतोष चौबे, निदेशक, विश्व रंग ने श्री पवन वर्मा से सार्थक बातचीत की।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महामहिम संतोष झा, भारत के उच्चायुक्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व रंग श्रीलंका –2025 का आयोजन विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो में होना भारत और श्रीलंका की साझा सांस्कृतिक विरासत को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

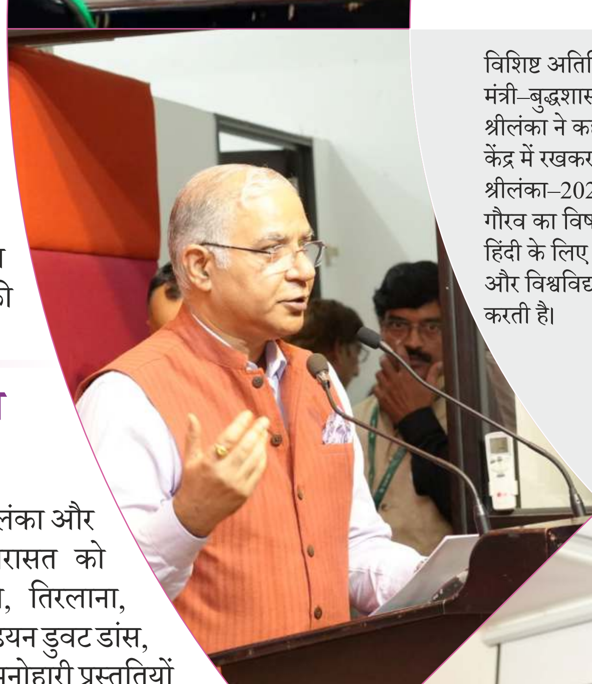

विशिष्ट अतिथि माननीय हिनिदुमा सुनील सेनावी, मंत्री–बुद्धशासन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्य, श्रीलंका ने कहा कि हिंदी भाषा और संस्कृति को केंद्र में रखकर कोलंबो में विश्व रंग श्रीलंका–2025 का आयोजन होना हमारे लिये गौरव का विषय है। श्रीलंका सरकार भी हिंदी के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को सहयोग प्रदान करती है।

नव नालंदा महाविहार के कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि विश्वरंग जैसे कार्यक्रम न केवल एक दूसरे को समझने का मौका देते हैं, बल्कि विभिन्न देशों को एक दूसरे के सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करना और उसे अपनाना सिखाते हैं।

साझा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुलजार हुई विश्व रंग श्रीलंका की सुहानी शाम

विश्व रंग श्रीलंका में श्रीलंका के कलाकारों ने श्रीलंका और भारत की एतिहासिक साझा सांस्कृतिक विरासत को लोकनृत्य वेस नृत्य, सिंहवल्ली की कहानी, तिरलाना, नारिलता नृत्य, शिव द्रुपद - एक कथक नृत्य, कैंडियन डुवट डांस, नटेश कौत्तम, कथक फियुशन, गजगा आदि की मनोहारी प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों द्वारा शनि की महादशा नामक नाट्य प्रस्तुति की भी अविस्मरणीय प्रस्तुति दी।

विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे, इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए की संपादक डॉ. विनीता चौबे, विश्व रंग फाउंडेशन की निदेशक डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने सांस्कृतिक संध्या के अंत में सभी कलाकारों का सम्मान किया। कार्यक्रम में भारत और श्रीलंका की साझा परंपराओं को दर्शाती लोकनृत्य, कथक और नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विश्व रंग श्रीलंका में 'विश्व में हिंदी' सहित महत्वपूर्ण पुस्तकें हुई लोकार्पित

पुस्तक लोकार्पण के अंतर्गत 65 देशों में हिंदी की स्थिति का विस्तार पूर्वक आकलन करती पुस्तक 'विश्व में हिंदी' का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र द्वारा तैयार टैगोर के सांस्कृतिक निबंधों कै सहेज कर तैयार की गई पुस्तक 'आनंदधारा', दक्षिण भारतीय भाषाओं में हिंदी पर केंद्रित विश्व रंग संवाद पत्रिका के विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया। विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीर उच्चायोग, कोलंबो, श्रीलंका द्वारा प्रकाशित 'सिंहली–हिंदी शब्द कोश' एवं श्रीलंका हिंदी समाचार पत्रिका (हिंदी दिवस विशेषांक) का लोकार्पण भी इस अवसर पर किया गया।

विश्व रंग श्रीलंका 2025 में श्रीलंका के हिंदी विद्वानों को विश्व रंग भाषा सम्मान से किया गया अलंकृत: विश्व रंग के अंतर्गत भारतीय भाषाओं और हिंदी के वैश्विक प्रचार प्रसार के लिए उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने वालों को विश्व रंग भाषा सम्मान से सम्मानित किया जाता है। श्रीलंका में हिंदी के उत्कृष्ट कार्य करने के लिए श्रीमती वसंता पद्मिनी, वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं हिंदी सेवी तथा श्री संगीत रत्नायक, वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं हिंदी सेवी को विश्व रंग भाषा सम्मान से सम्मानित किया गया।

दोनों हिंदी सेवी को यह सम्मान महामहिम श्री संतोष झा, भारत के उच्चायुक्त, विशिष्ट अतिथि माननीय श्री हिनिदुमा सुनील सेनावी, मंत्री–बुद्धशासन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्य, श्रीलंका, विशिष्ट अतिथि श्री पवन वर्मा, सुप्रसिद्ध लेखक, राजनयिक एवं पूर्व राज्य सभा सदस्य, समारोह के अध्यक्ष श्री संतोष चौबे, निदेशक, विश्व रंग एवं कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, श्री अंकुरण दत्ता, निदेशक, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, श्रीलंका, डॉ. विजय सिंह, कुलपति, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये गए।

'विश्व रंग' के विभिन्न सत्रों में विचारों का संगम और सृजन का उत्सव

उद्घाटन व्याख्यान में श्री पवन वर्मा, सुप्रसिद्ध लेखक, राजनयिक एवं पूर्व राज्य सभा सांसद (भारत) द्वारा 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की सांस्कृतिक एकता के आधार' के आधार पर उद्घाटन व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान के पश्चात श्री संतोष चौबे, निदेशक, विश्व रंग ने श्री पवन वर्मा से सार्थक बातचीत की। इसके पश्चात 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में सांस्कृतिक समन्वय' सत्र का आयोजन विश्व रंग के निदेशक, श्री संतोष चौबे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। वक्ता के तौर पर डॉ. सिद्धार्थ सिंह, कुलपति, डॉ. अख़लाक़ अहमद, वरिष्ठ शिक्षाविद्, डॉ. सुनील बाबूराव कुलकर्णी, निदेशक केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ने अपने विचार रखे। अगले सत्र में 'दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों की भाषाओं, भाषिक तत्वों की समानता' सत्र का आयोजन प्रो. लक्ष्मण सेनेविरत्न (श्रीलंका) की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। वक्ता के रूप में श्री विजय कुमार मलहोत्रा, डॉ.सरसि रणसिंह (श्रीलंका), डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र द्वारा विचार व्यक्त किए गए। अगले सत्र में 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में भारतीय भाषाओं का परिदृश्य' विषय पर सत्र का आयोजन वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. मणींद्रनाथ ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। वक्ता के रूप में डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, श्री राकेश पाठक, संपादक, प्रवासी संसार ने विचार व्यक्त किये।

अंतिम सत्र में 'विदेशी भाषा व तृतीय भाषा के संदर्भ में दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के हिंदी विद्यार्थियों की समस्याएँ' विषय पर सत्र का आयोजन डॉ. जितेन्द्र श्रीवास्तव, वरिष्ठ कवि, आलोचक एवं निदेशक, अंतरराष्ट्रीय प्रभाग, इग्नू (शिक्षा विभाग, भारत सरकार) नई दिल्ली की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। वक्ता के रूप प्रो. अनुषा सल्वतुर (श्रीलंका), सुश्री रिदमा निशादिनी लंसक्कार (श्रीलंका), डॉ. सुनील बाबूराव कुलकर्णी, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, श्रीमती सुनीता पाहुजा ने अपने विचार व्यक्त किये। छात्र संगम में श्रीलंका के सैकड़ों विद्यार्थियों ने विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में की रचनात्मक भागीदारी

विश्व रंग श्रीलंका के अवसर पर श्रीलंका में हिंदी की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए 'छात्र संगम' का आयोजन कर उनके विशेष रूप से इसका हिस्सा बनाया गया। दो सत्रों में आयोजित छात्र संगम में श्रीलंका के सैकड़ों विद्यार्थियों ने विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में रचनात्मक भागीदारी की।

एनआईआरएफ रैंकिंग 2025: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र निजी विश्वविद्यालय, जिसने लगातार सातवें वर्ष यूनिवर्सिटी रैंकिंग में हासिल किया स्थान

4th Sep.: शिक्षा मंत्रालय भारत शासन की नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की इंडियन रैंकिंग 2025 की हाल ही में माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने घोषणा की है। मध्य प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एक मात्र विश्वविद्यालय है जिसने लगातार सातवें वर्ष देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय में अपना स्थान बनाया है। इस वर्ष यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 151-200 रैंक बैंड और इंजीनियरिंग रैंकिंग में 201-300 रैंक बैंड में स्थान हासिल किया है। रैंकिंग का निर्धारण विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर किया जाता है। जिसमें टीचिंग, लर्निंग व रिसोर्सेस, रिसर्च एण्ड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एण्ड इनक्लूसीविटी और परसेप्शन शामिल है।

इस उपलब्धि पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय निरंतर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रयोजी निकाय आईसेक्ट संस्था के सचिव डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति डॉ रवि प्रकाश दुबे, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. नितिन वत्स तथा प्रतिकुलपति डॉ. संजीव गुप्ता और कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी और प्रशासनिक स्टाफ को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रवि प्रकाश दुबे ने बताया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ के विभिन्न पैरामीटर्स पर अच्छे अंक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य आगामी वर्षों में देश के शीर्ष 100 संस्थानों में अपनी जगह बनाने का है। वहीं आईक्यूएसी निदेशक डॉ. नितिन वत्स ने कहा कि इस सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संपूर्ण टीम को जाता है। विश्वविद्यालय का कौशल विकास, ई-लर्निंग, उद्यमिता, कला एवं संस्कृति, खेल, शोध और नवाचार पर हमारा विशेष ध्यान केंद्रित है।

विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 : 65 देशों में हिंदी का वैश्विक उत्सव सम्पन्न

23rd Sep.: विश्व रंग फाउंडेशन, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल और वनमाली सृजन पीठ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 का समापन अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस पर हुआ। 14 से 30 सितम्बर तक चले इस आयोजन में भारत सहित 65 देशों के हजारों विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 15 सितम्बर को ओलंपियाड की वेबसाइट का शुभारंभ किया था। कार्यक्रम के दौरान संतोष चौबे, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, डॉ. अमिताभ सक्सेना, डॉ. जवाहर कर्नावट और विनय उपाध्याय उपस्थित रहे।

संतोष चौबे ने कहा कि यह ओलंपियाड हिंदी को विश्व स्तर पर जोड़ने वाला अब तक का सबसे बड़ा सांस्कृतिक–शैक्षणिक अभियान है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया 'विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड-2025' का औपचारिक शुभारंभ

15th Sep.: हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार – प्रसार और नई पीढ़ी को हिंदी से जोड़ने के उद्देश्य से विश्व रंग फाउंडेशन (भारत), रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल एवं वनमाली सृजन पीठ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 का भव्य शुभारंभ मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रवीन्द्र भवन, भोपाल के हंसध्वनि सभागार में संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित 'भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान' में समारोह पूर्वक पोस्टर लोकार्पित कर किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि जैसे माँ के चरणों में चारधाम होते हैं, वैसे ही मातृभाषा की गोद में आनंदधाम होता है। वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा का मान बढ़ रहा हैं। यह हमारे लिये गौरव की बात है।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, श्री भगवान दास सबनानी, विधायक, भोपाल, श्री शिवशेखर शुक्ला, अपर मुख्य सचिव, संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश शासन, श्री संतोष चौबे, निदेशक, विश्व रंग एवं कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ

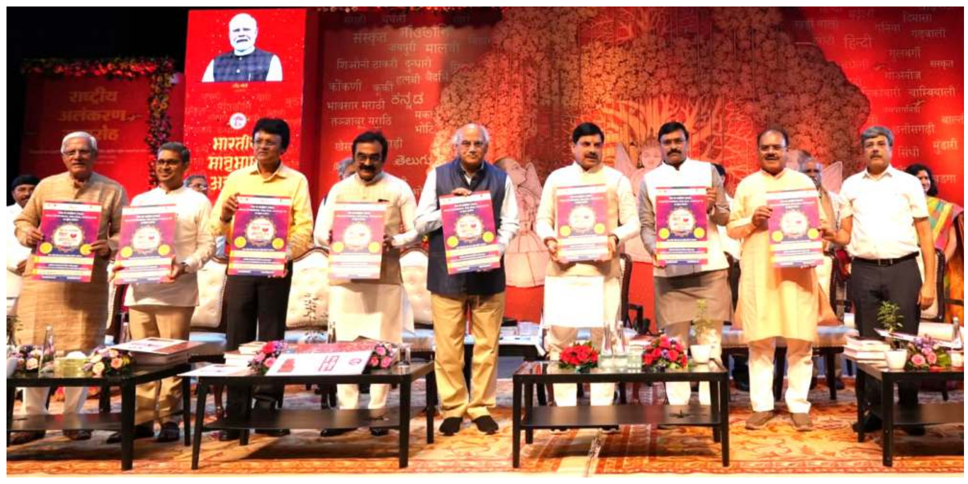

टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल श्री एन.पी. नामदेव, संचालक संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन, श्री राम तिवारी, न्यासी सचिव, वीर भारत न्यास, पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर, संयोजक, भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान, श्री विजय मनोहर तिवारी, कुलगुरु, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, डॉ. मुकेश मिश्रा, निदेशक दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल, डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, श्री विकास अवस्थी, सीईओ, विश्व रंग फाउंडेशन भी मंच पर उपस्थित रहे। समारोह का संचालन श्री विनय उपाध्याय, निदेशक टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र द्वारा किया गया। इस अवसर हजारों हिंदी साहित्यकारों, युवाओं एवं हिंदी के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

उल्लेखनीय है कि विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड का आयोजन हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 14 सितंबर से प्रारंभ होकर 30 सितम्बर (अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस) तक भारत सहित विश्व के 65 से अधिक देशों में जारी रहेगा।

इस अवसर पर विश्व रंग के निदेशक और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 65 देशों में हिंदी के लिए काम करने वाले, हिंदी बोलने, सुनने, लिखने वाले लोगों को एक साथ जोड़ने का रचनात्मक कार्य करेगा। हिंदी ओलंपियाड में भारत में 'कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर' तक तथा विदेशों में 'स्तर 1' से 'स्तर 6' तक के विद्यार्थियों को छह स्तरों पर अवसर दिया गया है।

हिंदी ओलंपियाड अपने स्वरूप और विस्तार में अब तक का सबसे बड़ा सांस्कृतिक–शैक्षणिक अभियान हैं। विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे, साथ ही प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड के शुभारंभ के साथ ही देश–विदेश से हजारों प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक इसमें अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

साहित्य अकादमी, दिल्ली में श्री संतोष चौबे का कहानी संग्रह 'ग़रीबनवाज़' का लोकार्पण

5th Sep.: वरिष्ठ कवि–कथाकार, निदेशक विश्व रंग एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे के ताजा कहानी संग्रह 'ग़रीबनवाज़' का लोकार्पण एवं पुस्तक चर्चा का आयोजन साहित्य अकादमी, दिल्ली के सभागार में समारोह पूर्वक किया गया। यह महत्वपूर्ण आयोजन वनमाली सृजन पीठ दिल्ली एवं राजकमल प्रकाशन समूह, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

'ग़रीबनवाज़' के पूर्व संतोष चौबे के छः कहानी संग्रह 'हल्के रंग की कमीज', 'रेस्त्राँ में दोपहर', 'नौ बिन्दुओं का खेल', 'बीच प्रेम में गाँधी', 'मगर शेक्सपियर को याद रखना' तथा 'प्रतिनिधि कहानियाँ' प्रकाशित और काफी चर्चित हुए हैं। 'ग़रीबनवाज़' का लोकार्पण सुप्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया जी के आत्मीय सान्निध्य में और वरिष्ठ रचनाकार जानकी प्रसाद शर्मा की अध्यक्षता में अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर संतोष चौबे ने अपने ताजा कहानी संग्रह से "ग़रीबनवाज़" कहानी का बेहतरीन पाठ किया। उन्होंने इस अवसर पर अपनी रचना प्रक्रिया पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पठनीयता को लेकर मैं हमेशा सजगता बरतता हूँ। कहानी पढ़ते समय पाठक पहले ही वाक्य से कहानी के भीतर प्रवेश करें और फिर उसे पूरा पढ़कर ही रहें। मेरा मानना है कि लेखक की पवित्रता और उसका भोलापन हमेशा बना रहना चाहिए। मेरी कहानियों का मुख्य आधार उनमें दृश्यात्मकता और इंटेनसिटी का होना हैं।

सुप्रतिष्ठित कथाकार ममता कालिया जी ने कहा कि आज हम सुप्रसिद्ध कथाकार संतोष चौबे जी से मुखातिब है, वे सामाजिक सरोकारों और मानवता की पक्षधरता के प्रति काफी सजग है। 'ग़रीबनवाज़' एक यथार्थवादी कहानी है। इसके अपने सामाजिक सरोकार हैं। इसमें श्रमजीवी पक्ष और वर्चस्ववादी पक्ष का यथार्थवादी द्वंद है। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार जानकीप्रसाद शर्मा ने कहा कि संतोष चौबे की कहानियों की सबसे बड़ी विशेषता है उनकी असाधारण पठनीयता का होना। उनकी कहानियाँ पाठक को पहले ही वाक्य से अपने संगसाथ बहाकर ले जाती है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ आलोचक– संपादक अखिलेश ने कहा कि संतोष चौबे जी की कहानी यथार्थ की गहनता और व्याप्ति में जाकर सत्य को आख्यान में रूपांतरित करने का जतन करती है। इस प्रक्रिया में वह कहानी कहने के अनेक अनुशासनों को नकारती है और यूँ अपनी तरह के कथानुशासन एवं शिल्प की निर्मिति करती है।

वरिष्ठ आलोचक विनोद तिवारी ने कहा कि इस संग्रह की खुबसूरती यह हैं कि जब कभी लंबी कहानियों का इतिहास बनेगा तो इन्हें जरूर रेखांकित किया जाएगा। संतोष चौबे की कहानियों में प्रेम, करुणा, मानवता, दया प्रमुखता से उपस्थित होते हैं। कहानियों को रचते हुए वे विधाओं से बाहर भी जाते हैं। उनकी कहानियों में साहित्यिक, सांस्कृतिक वातावरण के साथ सामाजिक सरोकार का मोटिव भी प्रमुखता से होता हैं। संतोष चौबे की कहानियों में अंत अनायास ही नहीं होता वे अंत की चिंता पूर्ण संवेदनशीलता के साथ करते हैं। वरिष्ठ कथाकार अल्पना मिश्र ने कहा कि इतने तेज गति से भागते समय में आत्मीय माहौल रचते हुए संतोष जी की कहानियाँ धीरे–धीरे से चलती है और अचानक से विचार एक केन्द्रीय बिंदु के रूप में हमारे समक्ष आ जाता है। युवा कथाकार आशुतोष ने कहा कि संतोष चौबे जी कहानियों का आरंभ कौतूहल के साथ करते हैं और अंत भी कौतूहल के साथ करते हैं। उनकी कहानियाँ लेखकीय नियंत्रण में रहती हैं। वे दार्शनिक दृष्टि के स्थान पर वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहानियाँ रचते हैं।

लोकार्पण समारोह में स्वागत उद्बोधन वरिष्ठ कवि एवं वनमाली सृजन पीठ, दिल्ली के अध्यक्ष लीलाधर मंडलोई ने दिया। अतिथियों का स्वागत वनमाली सृजन पीठ की राष्ट्रीय संयोजक एवं आईसेक्ट पब्लिकेशन की प्रबंधक सुश्री ज्योति रघुवंशी द्वारा किया गया। इस यादगार लोकार्पण समारोह का संचालन युवा रचनाकार प्रांजल धर ने किया। प्रारंभिक संचालन युवा कथाकार एवं वनमाली कथा के संपादक कुणाल सिंह द्वारा किया गया। आभार राजकमल प्रकाशन समूह के अशोक माहेश्वरी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर दिल्ली एनसीआर से बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं युवा रचनाकारों तथा साहित्यप्रेमियों ने रचनात्मक भागीदारी की।

एनसीसी के राष्ट्रीय स्तर के ऑल इंडिया नौ सैनिक कैम्प-2025 में आरएनटीयू की शानदार उपलब्धि

23th Sep.: रबींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के एनसीसी अधिकारी सब लेफ्टिनेंट मनोज मनराल के नेतृत्व में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ निदेशालय ने ऑल इंडिया नौ सैनिक कैम्प-2025 में देशभर के निदेशालयों के बीच बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ऑल ओवर इंडिया द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस कैम्प में यूनिवर्सिटी के ही एनसीसी कैडेट रिशम ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हेल्थ एंड हाइजीन इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर विश्वविद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया। पूरे कैम्प के दौरान मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ डायरेक्टरेट ने शानदार प्रदर्शन किया और कुल मिलाकर 8 गोल्ड, 1 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए। इसके साथ ही, टीम ने शिप मॉडलिंग की विजेता ट्रॉफी जीतकर उपलब्धियों में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ा।

ज्ञात हो कि नौ सैनिक कैंप एनसीसी नेवल विंग का सबसे प्रतिष्ठत कैंप है। इस 12 दिवसीय कैंप में 17 निदेशालयों से 600 से अधिक नेवल कैडेट्स भाग लेते है। कैंप के दौरान कैडेट्स नौ अलग अलग प्रकार की प्रतियोगियों में भाग लेते है जिसमें बोट पुलिंग, ड्रिल, फायरिंग, सेमाफोर, हेल्थ एंड हाइजीन, सर्विस सब्जेक्ट, शिप मॉडलिंग, बोटरैगिंग और सीमनशिप है।

सब लेफ्टिनेंट मनोज मनराल की अगुवाई में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय ने 2022 में ओवर ऑल पांचवां एवं बोट पुलिंग में पहला, 2024 में ओवर ऑल तीसरा और एवं बोट पुलिंग में पहला तथा इस वर्ष ओवर ऑल दूसरा एवं शिप मॉडलिंग प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया है।

इस उपलब्धि से लौटे कैडेट्स का जबलपुर रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया साथ ही भोपाल ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर आशीष रिखे ने कैडेट्स एवं सब लेफ्टिनेंट मनोज मनराल को मेडल एवं सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति डॉ रवि प्रकाश दुबे, प्रति-कुलपति डॉ संजीव कुमार गुप्ता और कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

SPECIAL YACHTING TRAINING CAMP

Held in Visakhapatnam

22nd Sep.: A Special Yachting Training Camp at the national level was successfully conducted from 15 to 22 September 2025 in Visakhapatnam. The camp was organised by 3(A) NU NCC under the NCC Group Headquarters, Visakhapatnam. The venue for the training was the Indian Navy Watermanship Training Centre (INWTC), where 30 selected cadets from seven different NCC directorates across the country participated.

The primary objective of the camp was to prepare cadets for national and international yachting competitions. The training focused extensively on Enterprise Class boats, including their handling, rigging, and sailing techniques. Under the guidance of Naval instructors, the cadets received hands-on, practical training.

Key Highlights of the Camp

Hands-on Training: Cadets engaged in intensive practice sessions on sailing techniques, boat handling, and rigging.

Skill Development: Key skills such as navigation, maritime safety, and teamwork were effectively developed.

Competition Readiness: The training aimed to equip cadets for upcoming national and international yachting events.

Exposure to Maritime Culture: Beyond technical knowledge, the camp introduced cadets to the Indian Navy's maritime traditions, discipline, and leadership values.

Among the participants, **Cdt. Rishiraj Rajoriya** (B.Sc. Agriculture, 3rd Year) demonstrated active involvement and delivered an impressive performance.

The week-long camp proved to be an inspiring and enriching experience for cadets, offering them deeper insights into the world of maritime sports.

हिंदी दिवस पखवाड़ा 2025: विश्व रंग फाउंडेशन, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र , हिंदी विभाग, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस पखवाड़ा – 2025 का भव्य शुभारंभ

13th Sep.: रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र एवं हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस पखवाड़ा – 2025 के शुभारंभ अवसर पर "हिंदी का वैश्विक परिदृश्य : कल, आज और कल" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और श्रीलंका के हिंदी विद्वान भागीदारी की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में इस अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हिंदी के लिए हमारे प्रयासों को और अधिक ताकत प्रदान करेगी।

अतिथि वक्ता के रूप में श्रीमती रीता कौशल (ऑस्ट्रेलिया) ने कहा कि हिंदी समाज आस्ट्रेलिया के माध्यम से हिंदी का कार्य कर रहें हैं। दिनेश श्रीवास्तव जी के प्रयासों के जरिए हिंदी को 2012 में आस्ट्रेलिया के मुख्य पाठ्यक्रम में हिंदी को सम्मिलित किया गया। आस्ट्रेलियन टाइम्स में हिंदी के दो पृष्ठ प्रकाशन की शुरुआत हुए।

श्रीमती पद्मा वीरसिंह (श्रीलंका) ने कहा कि हिंदी से विशेष लगाव और प्रेम के चलते मैंने श्रीलंका में हिंदी स्वयं सीखी और आने वाली पीढ़ी को हिंदी पढ़ना लिखना सिखाया। भारतीय फिल्म जिस देश में गंगा बहती है फिल्म से प्रेरित होकर हमने हिंदी सीखने का संकल्प लिया।

डॉ. वंदना मुकेश शर्मा (लंदन) ने कहा कि लंदन में महेंद्र वर्मा जी ने 1967 से हिंदी का बहुत कार्य किया। वैश्विक स्तर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित हिंदी पाठ्यक्रम हिंदी शिक्षण की दिशा में एक नींव का पत्थर साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि बीबीसी लंदन के जरिए एवं एफ.एम. रेडियो के माध्यम से भी ब्रिटेन में हिंदी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ा है।

श्रीमती अतिला कोतलावल (श्रीलंका) ने कहा कि हमारे यहाँ हिंदी से लोगों को जोड़ना उतना आसान नहीं था। मैंने हिंदी शिक्षण संस्थान से हिंदी सीखी फिर श्रीलंका में छोटी बहनों को घर पर ही हिंदी पढ़ना लिखना सिखाया। हमने बोलचाल की हिंदी के लिए काम बहुत काम किया। युवाओं को हिंदी से जोड़ने हिंदी को रोजगार की भाषा बनाना होगा।

डॉ. के.सी. अजय कुमार (त्रिवेंद्रम, भारत) ने कहा कि केरल में हिंदी का पठन पाठन और प्रचार प्रसार प्रारंभ से रहा है। केरल पाठ्यक्रम में हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य है। मलयालम संस्कृत आधारित भाषा हैं अतः केरल में हिंदी के प्रति लोगों का लगाव भी अधिक हैं। इस अवसर पर आईसेक्ट पब्लिकेशन, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं केरल के वरिष्ठ रचनाकार डॉ. के.सी. अजय कुमार द्वारा लिखित टैगोर: एक जीवनी (विश्वकवि रबीन्द्रनाथ ठाकुर का भावालोक)" , "कालिदास" एवं आस्ट्रेलिया की लेखिका सुश्री रीता कौशल द्वारा लिखित पुस्तक "परदेसिया" का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। विश्व रंग की पत्रिकाओं 'वनमाली कथा', 'रंग संवाद', 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये' का लोकार्पण भी अतिथियों द्वारा किया गया।

रावणेश्वर: भारत–श्रीलंका सांस्कृतिक संगम का बना अद्वितीय मंच

23rd Oct: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और विश्वरंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में श्रीलंका के प्रख्यात कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य नृत्य-नाटिका "रावणेश्वर" ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आयोजन भारतीय और श्रीलंकाई सांस्कृतिक परंपराओं के संगम का अनुपम उदाहरण बना।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, श्रीलंका की इंडियन एंड एशियन डांस विभागाध्यक्ष डॉ. अमिला दमयंती, कुलगुरु प्रो. रवि प्रकाश दुबे, एसजीएसयू कुलगुरु डॉ. विजय सिंह, प्रति-कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, और कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

रावण की गाथा का कलात्मक पुनर्पाठ

रावणेश्वर श्रीलंका की रामायण परंपरा पर आधारित एक 55 मिनट की नृत्य-नाटिका है। कथा की शुरुआत रावण के शिवभक्त और संगीतप्रेमी रूप से होती है, जबकि आगे बढ़ते हुए उसके अहंकार, लालसा और पतन को नए कलात्मक आयामों में प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति में कैंडियन, लो कंट्री और सबरगमो श्रीलंका की तीन प्रमुख पारंपरिक नृत्य शैलियों का अद्भुत संगम देखने को मिला।

अभिनय, संगीत ने किया मंत्रमुग्ध

कलाकारों ने श्रीलंकाई पारंपरिक वेशभूषा, मुखौटों, विशिष्ट नृत्य मुद्राओं और संगीत का ऐसा संयोजन प्रस्तुत किया कि दर्शक कथा-भूमि में खो गए। मंच-चित्र, प्रकाश-प्रभाव और समूह-नृत्यों ने प्रस्तुति को दृष्टिगत और भावनात्मक दोनों स्तरों पर प्रभावशाली बना दिया।

सांस्कृतिक संदेश: भारतीय–श्रीलंकाई सौहार्द

नृत्य-नाटिका यह संदेश देती है कि प्रतिभा और शक्ति का मूल्य तभी है जब उसके साथ आत्मनियंत्रण और दायित्व जुड़ा हो। यह प्रस्तुति भारत–श्रीलंका सांस्कृतिक संवाद का भी प्रतीक बनी।

कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने कहा, "यह आयोजन दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊर्जा देता है। यह प्रस्तुति श्रीलंका की पारंपरिक नाट्य शैली और भारतीय सांस्कृतिक विविधता का अनूठा संगम है।"

अयोध्या दीपोत्सव से भोपाल तक की यात्रा

इससे पूर्व श्रीलंकाई कलाकारों ने 17 से 20 अक्टूबर, 2025 को अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय रामलीला के हिस्से के रूप में 'रावणेश्वरा' का मंचन किया था, जो दीपोत्सव 2025 का प्रमुख आकर्षण रहा। इसके बाद यह प्रस्तुति भोपाल में टैगोर विश्वविद्यालय और विश्वरंग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित की गई।

डॉ. अमिला दमयंती की विशेष रचना

डॉ. दमयंती ने बताया कि यह नाटिका 2019 में कुंभ मेले के लिए तैयार की गई थी। यह श्रीलंका की लोककथाओं, तमिल परंपराओं और रावण की विभिन्न कथाओं का कलात्मक संगम है। इसमें 22 पात्रों को मंच पर जीवंत किया जाता है। इसमें पारंपरिक श्रीलंकाई वेशभूषा और संगीत का उपयोग किया गया है।

RNTU Conducts Community Outreach in Adopted Village on NSS Day and World Pharmacist Day

01st Oct.: Rabindranath Tagore University marked NSS Day and World Pharmacist Day with a joint community outreach initiative organized by the Institute of Pharmacy and the NSS Unit at the Government High School campus of the university's adopted village, Tilendi. The event witnessed enthusiastic participation from students, teachers, NSS volunteers and the village school community.

To commemorate NSS Day, volunteers conducted a cleanliness drive across the school premises, raising slogans such as "Prakriti ke dushman teen pouch, panni, polythene," "Apna kachra aap uthaye, ghar-bahar ko saaf banaye," and "Hum badalenge, jag badlega" to spread the message of cleanliness and individual responsibility. Participants cleaned the grounds and encouraged children to adopt daily hygiene habits.

Marking World Pharmacist Day, the Institute of Pharmacy staged a street play *(Nukkad Natak)* highlighting the correct use of medicines, the role of pharmacists, and the importance of hygiene. The team also distributed pens, pencils and soaps to school children, promoting personal cleanliness and motivating them to maintain healthy habits. The programme was graced by Dr. Durga Pandey, Principal, Institute of Pharmacy; Dr. C.P. Mishra, Dean, Faculty of Medical Sciences; Mr. Gabbar Singh, Programme Officer, NSS; and Mrs. Kamlesh Mishra, Principal of the school.

Speaking on the occasion, Dr. C.P. Mishra emphasised that NSS plays a pivotal role in shaping the personality and character of young students, stating that every student should experience the transformational value of at least two years of NSS service.

Dr. Durga Pandey highlighted that the aim of World Pharmacist Day is to spread awareness about proper medicine usage and promote respect for the vital role pharmacists play in healthcare. She added that pharmacy students are continuously visiting villages to educate people about safe medication practices.

School Principal Mrs. Kamlesh Mishra appreciated RNTU's efforts, stating that connecting university students with rural communities is a valuable step that inspires school children and broadens their learning beyond the classroom.

तीन जिलों में गूंजा शिक्षक सम्मान का स्वर: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने नर्मदापुरम्, रायसेन और बैतूल के 525 शिक्षकों को वनमाली शिक्षक सम्मान से नवाज़ा

14th Sep.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा मध्यप्रदेश के तीन प्रमुख जिलों नर्मदापुरम्, रायसेन और बैतूल में भव्य आयोजनों के माध्यम से कुल 525 शिक्षकों को वनमाली वनमाली शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शिक्षकों के समर्पण, निष्ठा और शिक्षा क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को नमन करने के उद्देश्य से प्रदान किया गया।

नर्मदापुरम्: 250 शिक्षकों को मिला सम्मान

नर्मदापुरम् में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक सीताशरण शर्मा। कार्यक्रम कौशल श्री विकास समिति के सहयोग से हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मनीष वर्मा (संयुक्त संचालक), सुश्री ज्योति प्रहलादी (डीईओ), नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, आरएनटीयू के प्रति-कुलपति डॉ संजीव गुप्ता, डीन एडमिशन डॉ अनिल तिवारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। डॉ शर्मा ने कहा "शिक्षक समाज की आत्मा हैं। उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी अच्छे नागरिक बनते हैं।"

कार्यक्रम में नर्मदापुरम् के सभी 7 विकासखंडों नर्मदापुरम्, केसला, सिवनी मालवा, बाबई, सोहागपुर, पिपरिया और बनखेड़ी के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

रायसेन: 150 शिक्षकों का हुआ सम्मान

रायसेन जिले में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों की कर्मनिष्ठा और शिक्षा के प्रति समर्पण को सराहा गया। मुख्य वक्ताओं ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तभी संभव है जब शिक्षक पूरी ऊर्जा और निष्ठा के साथ विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दें।

आरएनटीयू के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह सम्मान "शिक्षकों के प्रति समाज की कृतज्ञता" है।

बैतूल: 125 शिक्षक सम्मानित

बैतूल में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि सुबोध कांत शर्मा (DPC बैतूल) रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. पंडित कांत दीक्षित, श्री नीलेश्वर कालभोर, आरएनटीयू के प्रति-कुलपति डॉ संजीव गुप्ता, डीन एडमिशन डॉ. अनिल तिवारी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। **सुबोध कांत शर्मा ने कहा** "शिक्षा भविष्य निर्माण का आधार है। शिक्षक ही नई पीढ़ी को सही दिशा देते हैं।"

कार्यक्रम में बैतूल जिले के सभी ब्लॉकों बैतूल, मुलताई, भैंसदेही, शाहपुर, आमला, प्रभात पट्टन, घोड़ाडोंगरी और चिचोली के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया शिक्षक दिवस

5th Sep.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में आज शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रवि प्रकाश दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में सुश्री टिनी तारे पांडेय (प्रोजेक्ट ऑफिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग, म.प्र. शासन) तथा सुश्री ज्योति रात्रे (मोटिवेशनल स्पीकर एवं सबसे अधिक उम्र की भारतीय महिला पर्वतारोही) शामिल रहीं। प्रति-कुलपति डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी तथा कार्यक्रम समन्वयक व डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. शीतल गुलाटी ने भी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. रवि प्रकाश दुबे ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान के वाहक नहीं बल्कि समाज के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। वे विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने के साथ-साथ उन्हें संस्कार और मूल्यों से भी जोड़ते हैं। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री तक सीमित नहीं है बल्कि अच्छे इंसान बनाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षक भविष्य की नींव तैयार करते हैं। उनका योगदान सदैव अमूल्य और प्रेरणादायी रहेगा।

सुश्री टिनी तारे पांडेय ने प्रेरक उद्बोधन देते हुए कहा कि शिक्षा के बिना समाज की प्रगति संभव नहीं है। शिक्षक बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की निष्ठा और परिश्रम से ही समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। शिक्षक ही वह शक्ति हैं जो पीढ़ियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाते हैं। उनके योगदान का सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है।

सुश्री ज्योति रात्रे ने कहा कि जीवन की ऊँचाइयों तक पहुँचने में शिक्षक ही वह आधारशिला हैं जो हमें आगे बढ़ने का साहस देते हैं। कठिन परिस्थितियों में भी उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थी नई राह बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक विश्वास और आत्मबल का संचार करते हैं। उनके सान्निध्य से विद्यार्थी अपने सपनों को पूरा करने की हिम्मत पाते हैं। शिक्षक वास्तव में भविष्य निर्माता हैं।

वहीं डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षक केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं होते, वे विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। उनका मार्गदर्शन छात्रों को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाने का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षक ज्ञान और तकनीक के संतुलन को बनाए रखने की भूमिका निभा रहे हैं। शिक्षा को व्यवहारिक और उपयोगी बनाने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। शिक्षक ही समाज की सबसे बड़ी पूँजी हैं।

कार्क्रम के शुभारम्भ अवसर पर डॉ. संगीता जौहरी ने कहा कि शिक्षक दिवस हमें अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हर छात्र की सफलता के पीछे उसके गुरु का अमूल्य योगदान होता है। शिक्षक सदैव निस्वार्थ भाव से विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास की धुरी शिक्षक ही हैं। यह दिवस उनके समर्पण और मेहनत को नमन करने का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान **"वनमाली उत्कृष्टता पुरस्कार 2025"** के अंतर्गत पाँच श्रेणियों में 28 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

पहली कैटेगरी में एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड में बेस्ट टीचर अवार्ड, बेस्ट मेंटर अवार्ड, दूसरी कैटेगरी में रिसर्च एंड इनोवेशन अवार्ड में एक्सीलेंस इन रिसर्च, इनोवेशन इन हायर एजुकेशन, बेस्ट डिपार्टमेंटल रिसर्च कोआर्डिनेटर (DRPC), इमर्जिंग रिसर्चर अवार्ड, तीसरी कैटेगरी कम्युनिटी एंड इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट अवार्ड में कंट्रीब्यूशन टू इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट, सोशल इंपैक्ट एंड कम्युनिटी इंगेजमेंट अवार्ड, बेस्ट लीडरशिप इन एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेशन, चौथी कैटेगरी स्टूडेंट सेंट्रिक अवार्ड में मोस्ट पॉपुलर टीचर (स्टूडेंट चॉइस अवॉर्ड), कैरियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सपोर्ट अवार्ड और पांचवी स्पेशल कैटेगरी में डिस्टिंग्विश्ड सर्विस अवार्ड इन हायर एजुकेशन में उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में कविता पाठ, नृत्य, गीत, खेल और फैकल्टी एवं छात्रों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। डेज़ी मैम ने 'ओणम' पर विचार साझा किए और गीतांजलि मैम ने भावपूर्ण काव्य पाठ किया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत गीत, नृत्य और समूह नृत्य ने समारोह को उल्लासपूर्ण बना दिया।

रंगों और रसमय परंपराओं से सजा उत्सव : रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब’ द्वारा भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन

25th Sep: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब’ के तत्वावधान में गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसने विश्वविद्यालय परिसर को पारंपरिक संगीत, रंगीन परिधानों और उत्सवी माहौल से सराबोर कर दिया। भारतीय संस्कृति की विविधता और सामुदायिक एकता को समर्पित यह कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए अविस्मरणीय अनुभव बनकर उभरा। गरबा और डांडिया की मोहक प्रस्तुतियों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत को जीवंत भी किया।

महोत्सव में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलगुरु डॉ. रवि प्रकाश दुबे, प्रति कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता और कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी ने आयोजन की भव्यता और महत्ता को और बढ़ाया। माँ दुर्गा की स्तुति और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसने पूरे माहौल में आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्साह भर दिया।

पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित छात्र-छात्राओं ने गरबा और डांडिया की जोशीली प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। तालबद्ध कदमों, समूह नृत्य की संरचनाओं और आकर्षक संगीत ने सभी को उत्सव की भावना में डुबो दिया। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों को समझना और अपनाना आज भी उनके लिए उतना ही महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डीन, स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. शीतल गुलाटी का नेतृत्व महत्वपूर्ण रहा। सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. जितेन्द्र अहिर, फैकल्टी कोऑर्डिनेटर सुश्री शैरन मास्टर और सुश्री दुर्गा वर्मा ने अपने अथक प्रयासों से आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया। उनकी टीम द्वारा किए गए सूक्ष्म प्रबंधों ने प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों के अनुभव को सहज और सुखद बनाया।

गरबा महोत्सव की विशेष आकर्षण रही ‘टेस्ट ऑफ इंडिया’ थीम पर आधारित फूड स्टॉल श्रृंखला। विश्वविद्यालय की फैकल्टी ने विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजन प्रस्तुत किए, जिन्हें छात्रों और स्टाफ ने बड़े उत्साह के साथ चखा। गुजरात के ढोकला, राजस्थान की दाल-बाटी, महाराष्ट्र के वड़ा-पाव, पंजाब की मसालेदार डिशेज, दक्षिण भारतीय व्यंजन और पूर्वोत्तर भारत के विशेष पकवानों ने सभी को भारत की समृद्ध खाद्य संस्कृति से रूबरू कराया। इन स्टॉलों ने न केवल स्वाद का आनंद दिया, बल्कि देश की विविधता का भी सुंदर संदेश प्रस्तुत किया।

‘एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब’ द्वारा आयोजित यह महोत्सव केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सौहार्द और पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने का एक सफल प्रयास भी था। विभिन्न राज्यों की कला, वेशभूषा और स्वाद को एक ही मंच पर प्रस्तुत करके इस आयोजन ने विविधता में एकता की अवधारणा को और मजबूती प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों के उत्साह, फैकल्टी के समर्पण और प्रशासन के सहयोग ने मिलकर इस आयोजन को विशिष्ट गरिमा प्रदान की।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का यह गरबा महोत्सव सांस्कृतिक समृद्धि का एक उत्सव बनकर सामने आया, जिसमें परंपरा और आधुनिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिला। यह आयोजन विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हुए आने वाले वर्षों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गया।

12वें भोपाल विज्ञान मेले में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय को शैक्षणिक संस्थानों की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप श्री कैलाश विजयवर्गीय जी मंत्री, डॉ. शंकर विनायक नाखे जी पूर्व निदेश आर.आर. कैट, डॉ. अनिल कोठारी जी महानिदेशक एम.पी.सी.एस.टी., प्रो सुधीर भदौरिया जी, डॉ. अमोघ गुप्ता जी मुख्यरूप से उपस्थित थे।

12वें भोपाल विज्ञान मेले में टैगोर नाट्य विद्यालय के छात्रों द्वारा भारत का विज्ञान विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जिसकी भारी संख्या में उपस्थित लोगों द्वारा बहुत सराहना की।

Prof. J. R. Sharma *delivers insightful session on* ACADEMIC LEADERSHIP @ RNTU

26th Sep.: Rabindranath Tagore University's Internal Quality Assurance Cell (IQAC) organized a comprehensive session on *"Strengthening of Academic Leadership"* aimed at enhancing the leadership capabilities of academic and administrative heads. The session focused on developing strategic planning, effective delegation, visionary outlook, and the integration of academic excellence with administrative acumen essential attributes for institutional growth and quality enhancement.

The session was conducted by Prof. J.R. Sharma, a distinguished academician and accomplished institutional leader, whose engaging address offered deep insights into strategic development planning, balanced leadership, and mentorship-driven growth.

The event witnessed the gracious presence of Pro Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi, Vice-Chancellor Prof. (Dr.) R.P. Dubey, Pro Vice-Chancellor Dr. Sanjeev Kumar Gupta, IQAC Director Dr. Nitin Vats, and Registrar Dr. Sangeeta Jauhari, along with Deans, Heads of Departments, and senior administrative officers from HR, Administration, and Academics.

In her remarks, Pro Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi appreciated the initiative and emphasized the university's continuous commitment to nurturing leadership that blends integrity, innovation, and inclusivity. The session concluded with a Vote of Thanks by Dr. Sangeeta Jauhari, who expressed gratitude to Prof. Sharma for his invaluable contribution. The event reinforced RNTU's dedication to cultivating visionary and ethical leaders capable of driving academic excellence, institutional transformation, and sustainable development.

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस लिटरेसी मिशन की शुरुआत, 1 करोड़ युवाओं को देंगे AI प्रशिक्षण

17th Oct.: आईसेक्ट, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी ने मिलकर "Artificial Intelligence Literacy Mission" की शुरुआत की है. इस मिशन के तहत 2030 तक 1 करोड़ युवाओं को AI training दी जाएगी। यह पहल Skill India Mission और NITI Aayog के Developed India 2047 विजन के अनुरूप है.

आईसेक्ट ने रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लिटरेसी मिशन" की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य देशभर के युवाओं को AI शिक्षा और प्रशिक्षण देकर भविष्य की तकनीक के लिए तैयार करना है। इस मिशन की शुरुआत एसजीएसयू कैंपस में पुस्तक "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आर्टिफिशियल नहीं, असली क्रांति" के विमोचन के साथ की गई।

एआई के ज्ञान से सशक्त होगा युवा भारत

इस अवसर पर आईसेक्ट चेयरमैन संतोष चौबे और एसजीएसयू चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने बताया कि यह पहल युवाओं को नई तकनीक से जोड़ने और भारत को "विकसित भारत 2047" के विजन की ओर ले जाने का प्रयास है। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय की भाषा है और हर भारतीय युवा को यह भाषा सीखनी जरूरी है। इससे न केवल तकनीकी कौशल बढ़ेगा, बल्कि नवाचार, उद्यमिता और रोज़गार के नए अवसर भी खुलेंगे।

स्किल इंडिया और नीति आयोग की सोच के अनुरूप पहल

यह मिशन भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन और नीति आयोग के AI रोडमैप के अनुरूप है। नीति आयोग ने स्पष्ट कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाएगा। इस मिशन के तहत देशभर के टियर-2 और टियर-3 शहरों में AI और डेटा लैब्स स्थापित करने की दिशा में भी काम होगा। साथ ही कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में एआई के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

1 करोड़ युवाओं को मिलेगा AI प्रशिक्षण

आईसेक्ट के चेयरमैन संतोष चौबे ने बताया कि इस मिशन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 1 करोड़ युवाओं को एआई शिक्षा, अनुसंधान और उद्यमिता में प्रशिक्षित करना है. उन्होंने कहा कि पहले जैसे कम्प्यूटर के लिए किताबें लिखी गईं, अब समय आ गया है कि एआई पर भी समृद्ध लिटरेचर और डेटाबेस तैयार किए जाएं ताकि इस तकनीक का सही और जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

देशभर में पहुंचेगा 'एआई कौशल रथ'

मिशन की शुरुआत कौशल विकास यात्रा के साथ की गई है। इसके लिए विशेष रूप से तैयार किए गए "कौशल रथ" देशभर में गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचेंगे। ये रथ युवाओं को Artificial Intelligence, Augmented Reality (AR) और Virtual Reality (VR) जैसी भविष्य की तकनीकों से परिचित कराएंगे। रथों में एआई से जुड़ी शैक्षणिक सामग्री, लाइव डेमो और जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही मुफ्त AI सेमिनार, वर्कशॉप्स और करियर काउंसलिंग सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

स्कूलों और कॉलेजों में भी चलेगा प्रोग्राम

इस मिशन का एक बड़ा हिस्सा शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी को समर्पित है। स्कूलों और कॉलेजों में AI लिटरेसी प्रोग्राम चलाए जाएंगे। आईसेक्ट के सभी स्किल नॉलेज प्रोवाइडर्स (SKPs) और फ्रेंचाइजी केंद्रों पर कम से कम 10 निःशुल्क AI सेमिनार आयोजित करने की योजना है। शिक्षकों और प्रशिक्षकों को पहले विशेष ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि देशभर में एक समान गुणवत्ता की एआई शिक्षा दी जा सके।

National Seminar on "Harnessing Traditional Knowledge for Nutrition And Modern Well-being" Begins at Rabindranath Tagore University

19th Sep.: Rabindranath Tagore University, in collaboration with the Madhya Pradesh Council of Science and Technology (MPCST), inaugurated a two-day National Seminar on "Harnessing Traditional Knowledge for Nutrition and Modern Well-being in Madhya Pradesh." Organized by the Centre for Science Communication and the Faculty of Science, the seminar aims to integrate traditional knowledge systems with modern scientific approaches for enhanced public health and nutrition. The inaugural session featured Chief Guest Dr. M.M. Gore, Senior Scientist, NIScPR, New Delhi; Special Guest Dr. Nipun Silawat, Principal Scientist, MPCST; and Vice-Chancellor Dr. R.P. Dubey, under the chairmanship of Pro-Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi Vats, with coordination by Dr. Preeti Singh. Speakers highlighted the relevance of indigenous practices, the need for scientific validation, and the importance of combining traditional dietary wisdom with modern nutrition science. The ceremony included the rendition of a *Vigyan Geet* by Shri Santosh Kaushik, along with the release of '*Electronikey Aapke Liye*' magazine and a seminar souvenir. The first technical session featured experts discussing Ayurveda-based interventions, malnutrition challenges, and the scientific dissemination of traditional knowledge. The seminar will continue on the second day with further technical sessions and research paper presentations by scholars from across the country.

TWO-DAYS SKILL-BASED WORKSHOP ON LOW-COST MUSHROOM CULTIVATION

25th Oct.: The Department of Life Sciences, Rabindranath Tagore University, successfully conducted a two-day skill-based workshop on "Low-Cost Mushroom Cultivation." The workshop aimed at equipping students with practical knowledge, hands-on training, and insights into the commercial prospects of mushroom farming as an emerging low-investment entrepreneurial opportunity.

The inaugural session was graced by Dr. Sanjeev Kumar Gupta, Pro-Vice Chancellor, and Dr. Ankit Agrawal, Dean (in-charge), Faculty of Science, who addressed the participants and highlighted the importance of skill-oriented learning. Dr. Sanjeev Kumar Gupta encouraged students to adopt innovative thinking and develop problem-solving approaches to build meaningful careers. He further emphasized that the University's Atal Incubation Center (AIC) is committed to supporting and mentoring students in converting their ideas into viable startups and professional ventures. Following the inauguration, Dr. Suchi Modi conducted the theoretical and practical sessions, enabling students to gain first-hand experience in mushroom cultivation techniques.

On the second day, Mr. Neeraj Raghuvanshi, CEO, Narmadawahini Organic Farming Production Company Ltd., led a hands-on training session on preparing mushroom bags. He also discussed the entrepreneurial scope, market opportunities, and economic viability of low-cost mushroom production. The two-day programme concluded with heightened interest among participants, reinforcing RNTU's commitment to fostering skill development, innovation, and experiential learning.

ONE-DAY INTERNAL HACKATHON to Boost Innovation & Skill Development for SIH 2025

29th Sep.: Rabindranath Tagore University successfully conducted a one-day Internal Hackathon designed to enhance students' innovation capabilities, problem-solving skills, and technological competence as part of the pre-qualification process for the prestigious Smart India Hackathon 2025 (SIH-25).

The event commenced with an inaugural address by Dr. Sanjeev Kumar Gupta, Pro-Vice Chancellor of RNTU, who emphasized the importance of experiential learning and encouraged participants to leverage the platform to sharpen their aptitude for real-world challenges.

The valedictory session was graced by Dr. Ronald Fernandes, CEO, AIC-RNTU Foundation, and Hackathon Convener Dr. Rakesh Kumar, who applauded the students for their creativity, teamwork, and commitment to innovation. Top-performing teams were felicitated with certificates for securing the first, second, and third positions.

Serving as a vital skill-building and pre-selection event, the Internal Hackathon aims to identify the most promising teams capable of representing RNTU at the national level. Organized under the Ministry of Education's Innovation Cell, SIH provides students a platform to develop cutting-edge solutions to pressing challenges faced by government bodies, industries, and various organizations.

A distinguished jury panel from academia, industry, and the start-up ecosystem evaluated the projects. The panel comprised:

- **Dr. Keerti Jain,** Professor, SAGE University, Bhopal
- **Mr. Praveen Verma,** Technical Project Manager, Flaresoft Consulting Group, Bhopal
- **Mr. Vivek Pandey,** Founder & CEO, Bright Hustle Pvt. Ltd.

Their expert guidance and feedback played a pivotal role in motivating participants to refine their ideas and pursue excellence as they prepare for the national stage.

The event concluded with a reaffirmation of RNTU's commitment to nurturing innovation-driven talent and strengthening its contribution to India's rapidly evolving technological landscape.

RNTU Students Engage in DoT's 'Sanchar Mitra 2.0' Initiative, Gain Crucial Insights on Digital Safety

14th Oct.: Students from Rabindranath Tagore University actively participated in the "Sanchar Mitra 2.0" Orientation Program, a virtual workshop organized by the National Academy of Communication Technology (NCA-T), Ghaziabad, under the Department of Telecommunications (DoT), Government of India. The initiative aimed to strengthen digital communication awareness, cybersecurity practices, and information literacy among the youth.

Eminent speakers, including senior DoT officials and experts from META, addressed key topics such as cyber fraud, online safety, social media security, and ways to protect oneself in the digital space. Participants were also introduced to the "Sanchar Saathi" platform, a government tool designed to curb mobile theft, prevent SIM misuse, and combat digital fraud.

Students from RNTU described the workshop as highly informative and impactful. They noted that such initiatives play a vital role in enhancing digital literacy and encouraging the youth to become responsible and vigilant digital citizens.

The session concluded with a vote of thanks, appreciating the enthusiastic participation of all students.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, विज्ञान संकाय द्वारा "नवीन प्रतिभाओं से कॉर्पोरेट जगत की अपेक्षाएँ एवं वर्तमान प्रवृत्तियाँ" विषय पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन

17th Sep.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय एवं प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "नवीन प्रतिभाओं से कॉर्पोरेट जगत की अपेक्षाएँ एवं वर्तमान प्रवृत्तियाँ" विषय पर एक उपयोगी विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र अकादमिक और उद्योग जगत के बीच सेतु का कार्य करते हुए विद्यार्थियों को वर्तमान कॉर्पोरेट परिवेश में आवश्यक कौशल एवं दक्षताओं की स्पष्ट समझ प्रदान करने में सहायक सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता श्री अनिरुद्ध ठाकुर, कॉर्पोरेट एवं बिहेवियरल ट्रेनर तथा एनएलपी प्रैक्टिशनर उपस्थित रहे। साथ ही डॉ. अंकित अग्रवाल, डीन, विज्ञान संकाय, कार्यक्रम समन्वयक सुश्री मधु मिश्रा व सुश्री शिवानी गुप्ता, डॉ. भावना अग्रवाल, विभागाध्यक्ष, डॉ. अभिषेक श्रोती, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड एवं डॉ. दीपक गर्ग भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर मुख्य वक्ता श्री अनिरुद्ध ठाकुर ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, समस्या-समाधान, टीमवर्क एवं सतत अधिगम जैसे गुणों पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हुए कॉर्पोरेट करियर में सफलता के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

वही डॉ. अंकित अग्रवाल ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायी संबोधन देते हुए उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने ज्ञान एवं कौशल को निरंतर अद्यतन रखने हेतु प्रोत्साहित किया। वहीं डॉ. अभिषेक श्रोती ने प्रशिक्षण, अनुकूलन क्षमता एवं करियर रेडीनेस की महत्ता पर विस्तार से विचार रखे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विज्ञान संकाय एवं प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की ओर से सुश्री मधु मिश्रा द्वारा स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए ऐसे आयोजनों की विद्यार्थियों के व्यावसायिक भविष्य के निर्माण में महत्ता पर प्रकाश डाला।

सत्र का समापन डॉ. भावना अग्रवाल द्वारा आभार प्रदर्शन से हुआ। इस कार्यक्रम में जीवन एवं भौतिक विज्ञान के संकायों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

RNTU Students Visit MANIT Bhopal's 5G Lab Under DoT's 'Sanchaar Mitra 2.0' Initiative

1st Sep.: Students of the Computer Science and Electronics & Communication Engineering department from Rabindranath Tagore University, Raisen, visited the advanced 5G laboratory at Maulana Azad National Institute of Technology (MANIT), Bhopal, under the Department of Telecommunications' (DoT) 'Sanchaar Mitra' initiative.

The industrial visit aimed to provide students with real-time exposure to emerging communication technologies and deepen their under-standing of India's rapidly advancing telecom ecosystem. Dr. Sandeep Patel, Assistant Professor at MANIT, led an immersive session covering the infrastructure, architecture and operational mechanisms of 5G networks.

He explained how 5G is poised to transform smart governance, healthcare, automation and next-generation communication systems. Students also explored various high-end equipment used in telecom research labs.

Mrs. Rashmi Karandikar, Assistant Director (Technology), DoT Bhopal, briefed the students on the purpose and importance of the 'Sanchaar Mitra' programme, emphasizing its role in promoting digital awareness and responsible telecom practices among youth.

आरएनटीयू और इंडिया रश सॉकर क्लब का एमओयू,

फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए भोपाल शहर में टैगोर फुटबॉल क्लब एक नया प्लेटफॉर्म

19th Sep.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल ने विश्व के बड़े फुटबॉल क्लब में शुमार इंडिया रश सॉकर क्लब के साथ एक एमओयू कर प्रदेश में फुटबॉल के क्षेत्र में खिलाड़ियों को टैगोर फुटबॉल क्लब के रूप में नया प्लेटफॉर्म स्थापित किया है। यह रणनीतिक सहयोग एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर औपचारिक रूप से संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ संगीता जौहरी और इंडिया रश सॉकर क्लब के सीईओ श्री डेनिस फर्नांडीस ने ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू हस्ताक्षर समारोह के उपरांत टैगोर फुटबॉल क्लब की टीम के जर्सी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू की प्रो-चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स, रजिस्ट्रार डॉ संगीता जौहरी, एसजीएसयू के कुलगुरु डॉ विजय सिंह, कुलसचिव डॉ सितेश सिन्हा और इंडिया रश सॉकर क्लब के सीईओ श्री डेनिस फर्नांडीस ने संयुक्त रूप से टी-शर्ट का अनावरण किया।

इस मौके पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि आरएनटीयू और इंडिया रश सॉकर क्लब के बीच इस अनुबंध के बाद विचारों, विषय विशेषज्ञों और संसाधनों का आदान-प्रदान होगा। जिससे निश्चित ही मध्यप्रदेश और भारत में फुटबॉल के नए खिलाड़ियों को तैयार करने का टैगोर फुटबॉल क्लब यह एक सशक्त माध्यम बनेगा। इस सहयोग से न केवल खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा बल्कि उनकी शिक्षा को स्किल और रिसर्च से जोड़कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाया जाएगा। हमारा उद्देश्य है कि खेल और शिक्षा दोनों को साथ लेकर चलें ताकि खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करें और समाज के लिए भी प्रेरणा बनें।ग

इस गरिमामय अवसर पर फिजिकल एजुकेशन विभाग के एचओडी डॉ. विकास सक्सेना, स्पोर्ट्स ऑफिसर श्री सतीश अहिरवार और जनसंपर्क अधिकारी विजय प्रताप सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

आरएनटीयू इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के विद्यार्थियों ने विंध्य हर्बल्स भोपाल में किया औद्योगिक भ्रमण

8th Oct.: आरएनटीयू इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा विद्यार्थियों के लिए विंध्य हर्बल्स भोपाल का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनका नेतृत्व प्राचार्य डॉ. दुर्गा पाण्डेय तथा सहायक प्राध्यापिकाएँ सुश्री दिशा देशमुख और सुश्री सोनिका प्रजापति ने किया।

इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हर्बल औषधि उद्योग का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। विंध्य हर्बल्स के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को औषधीय पौधों की खेती, पहचान, वैज्ञानिक नाम, औषधीय उपयोग तथा निर्माण प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने फिल्ट्रेशन, एक्सट्रैक्शन और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का निरीक्षण किया तथा गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (GMP) और क्वालिटी कंट्रोल से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने यह भी समझा कि किस प्रकार कच्चे औषधीय पदार्थों को मानकीकृत औषधियों में परिवर्तित किया जाता है।

डॉ. दुर्गा पाण्डेय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल और औद्योगिक समझ को बढ़ाते हैं। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, जिसने उन्हें फार्मास्यूटिकल एवं हर्बल विज्ञान की वास्तविक कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया।

इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल आरएनटीयू तथा ई-सेल एसजीएसयू के संयुक्त तत्वावधान में बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन संपन्न

04th Oct.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल एवं ई-सेल स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में "Build Dribble by Dribble" बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में टीम स्पिरिट, समावेशिता एवं खेल भावना को बढ़ावा देना था।

इस टूर्नामेंट में आरएनटीयू से दी गोल स्टीलर्स टीम, एयर बालर टीम, टीम मैनेजमेंट, जनरेशन ऑफ़ मिरेकल टीम, युवाज टीम, दी रिबाउंड एफसी टीम और एसजीएसयू से हूप हैवाक टीम ने प्रतियोगिता में भाग लिया। यह टूर्नामेंट नाकआउट खेला गया। पहला सेमीफाइनल में टीम मैनेजमेंट और दी रिबाउंड एफसी के मध्य खेला गया। वही दूसरा सेमीफाइनल हूप हैवाक और जेनरेशन आफ मिरेकल के मध्य खेला गया।

फाइनल मुकाबला एसजीएसयू की हूप हैवाक और आरएनटीयू की जेनरेशन आफ मिरेकल (कृषि संकाय) के मध्य खेला गया। जनरेशन ऑफ़ मिरेकल ने यह मुकाबला 24-8 के बड़े अंतराल से जीत कर ट्राफी पर अपना कब्जा जमाया।

टूर्नामेंट के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी, एआईसी-आरएनटीयू के सीईओ डॉ रोनाल्ड फर्नांडिस, टूर्नामेंट की समन्वयक सुश्री कृति जैन, परमजीत और श्रेया ने विजेता, फर्स्ट रनरअप और सेकंड रनरअप को ट्रॉफी प्रदान किया।

आरएनटीयू के टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का दीक्षारंभ समारोह संपन्न

28th Sep.: हर रंगकर्मी को जीवन को गहराई से देखने की आदत होनी चाहिए। जीवन को समग्रता में जीना और घूमते रहकर दुनिया को देखना आपकी कला और जीवन को नये तरीके से देखने की दृष्टि देता है। नाटक ही ऐसी कला है जो अकेले नहीं की जा सकती। इसमें आपसी समन्वय जरूरी है। ये बात वरिष्ठ कला समीक्षक, कवि और चित्रकार श्री प्रयाग शुक्ल ने कही। वे रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के शारदा सभागार में टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सत्र 2025-2027 के नवागंतुक विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

समारोह की अध्यक्षता रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कला की शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन को भी अपने जीवन में गंभीरता से बरतना चाहिए। साथ ही निरंतर अध्ययनशील रहकर अपने कार्य के प्रति ईमानदार एवं दृढ़ दृढ़ निश्चयी रहे।

विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के निदेशक श्री संजय श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. आर.पी. दुबे, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। स्वागत उद्बोधन और नाट्य विद्यालय की गतिविधि का परिचय नाट्य विद्यालय के निदेशक श्री अविजित सोलंकी ने दिया। इस दौरान विश्वविद्यालय और विश्व रंग पर आधारित एक फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। समारोह में नाट्य विद्यालय के नवागंतुक विद्यार्थियों ने अपने-अपने क्षेत्र के लोक गीतों की प्रस्तुति दी। आभार नाट्य विद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. चैतन्य आठले ने माना। विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर डॉ. संजीव गुप्ता, मानविकी एवं उदार कला संकाय की डीन डॉ. रूचि मिश्रा तिवारी, विभागाध्यक्ष डॉ. हर्षा शर्मा आदि उपस्थिति थे। कार्यक्रम का संयोजन समन्वय नाट्य विद्यालय के सह निर्देशक विक्रांत भट्ट ने किया। गौरतलब है कि टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के एम.ए. ड्रामाटिक्स के सत्र-2025-2027 में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, आसाम, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड के लगभग 25 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

Proud Moment for RNTU and India: Himanshi Tokas Becomes World No. 1 Judoka

23rd Sep.: In a historic achievement for Indian judo, Rabindranath Tagore University athlete Himanshi Tokas has risen to World No. 1 in her category. She clinched the Gold Medal at the Junior (U21) Asian Judo Championship 2025 held in Jakarta, bringing pride to her university and the entire nation.

Himanshi delivered a remarkable performance throughout the tournament. In the semifinal, she defeated former World Champion Linthoi, and went on to overcome top-ranked judokas from Mongolia, Uzbekistan and Kazakhstan to secure the top podium finish.

This victory adds yet another feather to her cap, extending her impressive winning streak. She has already claimed titles at the Taipei Junior Asian Cup, the Casablanca African Open (Senior & Junior), and the Commonwealth Judo Championship (Senior & Junior). With her consistent excellence and major international wins, Himanshi now stands firmly as the World No. 1, a testament to her dedication, resilience and world-class talent.

RNTU officials and the Indian judo fraternity have congratulated Himanshi on this extraordinary feat, expressing confidence that she will continue to bring more medals and glory to India in the years ahead.

आरएनटीयू ने अपने स्टार प्लेयर और हॉकी इंडिया टीम के उपकप्तान विवेक सागर प्रसाद को एजीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया

10th Sep.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) ने भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान एवं विश्वविद्यालय के स्टार प्लेयर विवेक सागर प्रसाद को एशिया कप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को चैंपियन बनाने के सम्मान में एजीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया। यह भव्य आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) परिसर में आयोजित किया गया, जहां विवेक को एक लाख रुपए की सम्मान राशि और विशेष उपहार भेंट किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईसेक्ट ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं एसजीएसयू के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी तथा आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज (एजीयू) की निदेशक एवं आरएनटीयू की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स उपस्थित रहीं। दोनों गणमान्य अतिथियों ने विवेक को सम्मानित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका प्रदर्शन पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। इस अवसर पर एसजीएसयू के कुलगुरु डॉ. विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश सिन्हा एवं रायसेन जिले के जिला खेल अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

विदित हो कि भारतीय हॉकी टीम ने इस वर्ष चौथी बार एशिया कप 2025 जीतकर इतिहास रचा और आगामी हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए सीधा प्रवेश सुनिश्चित किया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। पूरे टूर्नामेंट में अपने बेहतरीन खेल, नेतृत्व क्षमता और तेजतर्रार रणनीति के लिए उपकप्तान विवेक सागर प्रसाद को विशेष रूप से सराहा गया। उन्होंने कई अहम मौकों पर टीम को संभालते हुए भारत की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि विवेक का यह शानदार प्रदर्शन न केवल आरएनटीयू और एजीयू समूह, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि खेलों के क्षेत्र में युवा खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी और उपलब्धियां देश के खेल भविष्य को मजबूत बना रही हैं। डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि विवेक जैसे खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जो अनुशासन, निष्ठा और निरंतर अभ्यास से नई ऊंचाइयों को छूने का मार्ग दिखाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में अपने सम्मान से अभिभूत विवेक सागर प्रसाद ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए विशेष है और इसका पूरा श्रेय वे अपने माता-पिता, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय तथा मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण विभाग को देते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया सहयोग और प्रोत्साहन उनके करियर के निर्माण में महत्वपूर्ण रहा है। युवा खिलाड़ियों को संदेश देते हुए विवेक ने कहा कि अनुशासन, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है। कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और लगन बनाए रखने वाला खिलाड़ी ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने देश और संस्था का नाम रोशन कर सकता है।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के टैगोर फ़ुटबॉल क्लब (टैगोर एफसी) द्वारा खेल मैदान का भव्य उद्घाटन

26th Oct.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के टैगोर फ़ुटबॉल क्लब द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में खेल मैदान का उद्घाटन किया गया। टैगोर फ़ुटबॉल क्लब की अध्यक्ष डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने खेल मैदान का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रवि प्रकाश दुबे, प्रति-कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. नितिन वत्स, शिक्षा संकाय की डीन डॉ. किरण मिश्रा तथा शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. विकास सक्सेना सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान देता है। उद्घाटन के उपरांत विश्वविद्यालय परिसर में टैगोर एफसी द्वारा महिला टीम का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ किया गया। आगामी मध्यप्रदेश विमेंस प्रीमियर लीग, जो 28 अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 तक आयोजित की जाएगी, में भाग लेने के लिए टीम की तैयारियाँ जोर-शोर से जारी हैं।

इस बहुप्रतीक्षित प्रतियोगिता की तैयारियों के लिए टैगोर फ़ुटबॉल क्लब की महिला टीम को अनुभवी कोचों की टीम द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है, जिनमें श्री जॉर्ज लॉरेंस, डायरेक्टर, इंडिया रश सॉकर एवं श्री बिपिन पवार प्रमुख रूप से शामिल हैं।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की महिला मलखंभ टीम ने 'टीम चैंपियनशिप' में ब्रोंज मेडल जीतकर तमिलनाडु में लहराया परचम

27th Oct.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विश्वविद्यालय की महिला मलखंभ टीम ने टीम चैंपियनशिप में ब्रोंज मेडल और ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

वहीं पुरुष वर्ग में पंकज गर्गमा (बी.पी.एड) ने सिल्वर मेडल, तथा महिला वर्ग में जेसिका प्रजापति (डिप्लोमा इन योगा) ने ब्रोंज मेडल जीतकर अरिवानूर (तमिलनाडु) में आयोजित प्रतियोगिता में आरएनटीयू का परचम फहराया।

यह प्रतियोगिता विनायका रिसर्च मिशन फाउंडेशन (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), अरिवानूर, तमिलनाडु में 24 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की जा रही है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति डॉ. रवि प्रकाश दुबे, प्रति-कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, तथा रायसेन जिले के जिला खेल अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी ने सभी खिलाड़ियों, कोचों और प्रबंधकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

A Visionary Leader in **Agricultural Education** Research and Extension

Prof. (Dr.) H.D. Verma

Dean, Faculty of Agriculture,
Rabindranath Tagore University, Bhopal

Prof. (Dr.) H. D. Verma is a distinguished academician, researcher, and agricultural development leader with over four decades of dedicated service to the field of agriculture. His academic journey began at Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya (JNKVV), Jabalpur, where he earned his Bachelor's degree in 1980 and Master's degree in 1983. Demonstrating an early inclination towards research and innovation, he completed his Ph.D. in Agriculture from JNKVV while serving in the university. His long and illustrious career reflects his unwavering commitment to advancing agricultural science, improving farming systems, and nurturing the next generation of agricultural professionals.

Dr. Verma started his professional journey in 1983 as an Agricultural Assistant at JNKVV. His dedication, depth of knowledge, and leadership qualities enabled him to rise steadily through various academic and research positions. Over the years, he served as Assistant Professor, Associate Professor, Professor, Principal Scientist, Head of Section, and ultimately Dean at the Agricultural University, Gwalior. His administrative acumen, combined with strong academic credentials, made him a respected voice in university governance and agricultural policy development. After superannuation from the agricultural university, he joined Rabindranath Tagore University (RNTU) in 2024, where he continues to play a pivotal role in strengthening the Faculty of Agriculture and shaping its vision.

Throughout his career, Dr. Verma has made outstanding contributions to teaching and academic mentoring. He has taught a wide range of subjects to undergraduate and postgraduate students, always emphasising conceptual clarity, scientific thinking, and practical relevance. Over the span of his career, he has successfully guided 22 postgraduate and Ph.D. scholars, many of whom now occupy important positions in academia, research institutions, and the agricultural sector. His passion for teaching is complemented by his strong research orientation. Dr. Verma has worked on several ICAR-funded and national research projects focusing on plant nutrition, micro-irrigation, seed production, and farm management. His research outputs have contributed significantly to the development of improved cropping systems and sustainable agricultural practices.

Dr. Verma's academic visibility extends far beyond the university. He has actively participated in numerous national and international workshops, conferences, faculty development programmes, and advanced training sessions, where he has shared his expertise and gained valuable insights into global agricultural innovations. He presented a research paper on Organic Farming at an international conference in Bangkok, Thailand, earning recognition for his work. As a member of a government-sponsored delegation to China, he studied crop production systems and agro-industrial development, further enhancing his global perspective.

His contribution to agricultural extension is equally noteworthy. Believing strongly in the empowerment of farmers, he organised several Kisan Gosthis, Kisan Melas, training programmes, and field demonstrations that benefited large numbers of farming communities. His communication skills and passion for farmer education are evident in his more than 75 radio and television talks, along with numerous popular articles on improved agricultural technologies.

Alongside his academic and extension activities, Dr. Verma has handled multiple administrative and policy-oriented responsibilities with distinction. He served as Nodal Officer for the Agromet Project (GoI), Nodal Officer for IDP-NAHEP (GoI), Chief Nodal Officer for the Food Processing Project under PMFME (GoI), and Additional Director at the Madhya Pradesh State Agricultural Marketing Board for ten years. He was also a member of the State Core Committee for the Rajya Jaivik Neeti and part of the committee formed to study the Gujarat Model of Agriculture. Additionally, he contributed to rural broadcasting as a member of the Rural Advisory Committee for Doordarshan, Bhopal.

For his exemplary services, Dr. Verma has received several prestigious awards, including the Best Teacher Award by Rotary Club, the Outstanding Work Award by the university, and the Best Research Centre & Team Award by ICAR–Indian Institute of Pulses Research. His vision is to prepare agriculture students to be "market-ready professionals" equipped with scientific knowledge, technical skills, and entrepreneurial capabilities. Under his guidance, the Faculty of Agriculture at RNTU is emerging as the first choice for UG, PG, and Ph.D. aspirants in Madhya Pradesh. Dr. Verma continues to work with dedication to promote excellence in agricultural research, education, and extension.

RNTU Students Secure **Impressive Internship in Leading Companies**

In a remarkable stride towards academic excellence and industry readiness, students of Rabindranath Tagore University have achieved notable placements across several reputed large-cap and mid-cap companies this year. The strong campus recruitment performance reflects the university's continued focus on skill-based learning, corporate training, and outcome-driven education, enabling graduates to meet the evolving demands of the job market.

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY MADHYA PRADESH, BHOPAL
Village Mendua, Post-Bhojpur, Chiklod Road,
Near Bangrasia, Bhopal- 464993 (M.P.)
Ph.: 0755-2700400 | Email: info@rntu.ac.in

Patron
Shri Santosh Choubey, Chancellor
Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor
Dr. R.P. Dubey, Vice-Chancellor
Dr. Nitin Vats, Director AIC RNTU
Dr. Sangeeta Jauhari, Registrar

Editorial Team
Editors : Dr. Shailendra Singh, Mr. Vijay Pratap Singh
Copywriters : Mr. Sameer Choudhary, Ms. Shreya Sharma
Design : Mr. Kamlesh Thakur
Photography : Mr. Upendra Patne